तिलहनी फसलों के प्रमुख खरपतवार एवं उनका रासायनिक नियत्रण

प्रदीप कुमार सैनी एवं आर0 के0 यादव

नरेन्द्र देव कृशि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, फैजाबाद, (उ०प्र०)

(अ) खरीफ के प्रमुख खरपतवार :

(1) चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार – मकोय, हजारदाना, महकुआ, पथरचटा, कनकवा।

(2) संकरी पत्ती वाले खरपतवार – दूबघास, सांवक, कोदों।

मूँगफली :

1. क्यूजॉलोकाप इथाइल 5 ई0सी0 की 40–50 ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी मे घोलकर बुवाई के 15–20 दिन बाद समान रूप से छिड़काव करना चाहिए। इसके प्रयोग से एक वर्षीय घासो का अच्छी प्रकार नियंत्रण होता है।

2. पेन्डीमिथिलीन की 3.3 लीटर मात्रा को 500 से 600 लीटर पानी मे घोल बनाकर अथवा 60 कि0ग्रा0 सूखी रेत में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल की बुवाई के आखिरी जुताई पर मिट्टी में समान रूप से छिड़क कर अच्छी तरह मिला देना चाहिए। इसके उपयोग से कुछ चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार और ज्यादातर घासो नियंत्रित हो जाती है।

सोयाबीन :

1. क्लोरीम्यूरान इथाइल 25 डब्ल्यू0पी0 की 30 से 40 मि0ली0 मात्रा का 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से समान रूप से बुवाई के 15–20 दिन बाद छिड़काव करना चाहिए। इस दवा के प्रयोग से विभिन्न एक वर्षीय घासें, चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार तथा कुछ मोथा का नियत्रण होता है।

2. पेन्डीमिथिलीन 30 ई0सी0 की 3.3 लीटर अथवा मेटाक्लोर 50 ई0सी0 1.0–1.5 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर मात्रा को 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव चाहिए। इससे एक वर्षीय चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नियत्रित होते है।

तिल :

1. फ्लूक्लोरालिन (वेसलिन) 45 ई0सी0 की 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 800–1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।

(ब) रबी के प्रमुख खरपतवार :

(1) चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार – हिरनखुरी, प्याजी, सत्यानाशी, जंगली मटर, बथुआ, कृष्णनील।

(2) संकरी पत्ती वाले खरपतवार – गेंहूँ का मामा, जंगली जई, दूबघास।

राई–सरसों :

1. आइसोप्रोट्यूरान रसायन की 0.75 से 1.0 कि0ग्रा0 मात्रा अथवा पेन्डीमिथिलीन 30 ई0सी0 की 3.3 लीटर मात्रा को प्रति हेक्टेयर की दर से 500 से 600 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के बाद छिड़कना चाहिए। इसके उपयोग से घासें तथा कुछ चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नष्ट हो जाते है।

2. फ्लूक्लोरालिन (बेसलिन) 45 ई0सी0 की 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर बुवाई के पहले छिड़ककर अच्छी तरह भूमि में मिला देना चाहिए। यह रसायन एक वर्षीय घासे और कुछ चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नियंत्रित करता है। रसायन को 500–600 लीटर पानी में घोलकर अथवा 60 कि0ग्रा0 सूंखी बालू या रेत में मिलाकर बुवाई से पूर्व छिड़काव करके मिट्टी में मिला देना चाहिए।

सूरज मुखी :

1. एलाक्लोर 50 ई0सी0 की 1.0 से 2.0 कि0ग्रा0 अथवा पेन्डीमेथालीन 30 ई0सी0 की 2.5–3.0 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर को 500 से 600 लीटर पानी में मिलाकर से बुवाई के बाद किन्तु अंकुरण से पहले छिडंकना चाहिये। यह रसायन ज्यादातर एक वर्षीय घासे तथा कुछ चौड़ी पत्ती खरपतवार नियंत्रित हो जाते है।

2. ट्राइफ्लूरालिन 48 ई0सी0 की 1.0–2.0 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर को समान रूप से छिड़काव करके चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नष्ट किया जा सकता है।

अलसी :

1. पेन्डीमेथालीन 30 ई0सी0 की 3.3 लीटर प्रति हेक्टेयर मात्रा को 500–600 लीटर–पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। इस रसायन का उपयोग बुवाई के तुरन्त बाद परन्तु अंकुरण से पहले करना चाहिए। यह अधिकाँश एक वर्षीय घासे तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नियत्रित होते है।